सरसों के बीज

सप्लाइ

इस साल सरसों की बुआई पिछले वर्ष के समान रही है. भारत सरकार ने उत्पादन का अनुमान 91.13 लाख टन लगाया हे,हालाकी USDA और ऑल इंडिया कन्वेंशन ऑफ ऑयल सीड अंड ऑइल ट्रेड ने 77 लाख टन का अनुमान लगाया है| कुल सप्लाइ 80.5 लाख टन होने कि संभावना हे, पिछले साल सप्लाइ 82.4 लाख टन थी

माँग

ईस साल की माँग का अनुमान 77-78 लाख टन या उससे थोड़ा कम हो सकता है.यूएसडीए के अनुसार आरंभिक स्टॉक 4.6 लाख टन है, जबकि व्यापारियों के सोत्र से यह 3.5 लाख टन बताया गया है. माँग घटने का सबसे बड़ा कारण करोना वाइरस से होने वाला लॉक-डाउन है. ईस साल के निर्यात पिछले साल के मुक़ाबले कम हुआ हे | पिछले साल 10 लाख टन (2018-19)के मुक़ाबले इस साल 8.7 लाख टन (2019-20) निर्यात हुआ है | ईस साल निर्यात 8.7 लाख टन से भी कम होने कि संभावना है.

सरकार नेसरसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 4425 प्रती क्विटल घोषित किया हे| वर्तमान मैं भाव 4050 रुपिए प्रति क्विंटल है.

परिदृश्य 1	परिदृश्य 2
सरसों के उत्पादन तथा माँग पिछले साल के समान होने की वजह से भाव इसी स्तर के आस-पास रहेंगे या नयी फसल के आगमन के दबाव से गिर सकते हे|	जन्वरी और मार्च मै ओले गिरने के कारण से उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई भागो मैं फसलों का नुकसान होने की आशंका है. हालाकि नुकसान का सही मात्रा निधारित नहीं हो पाई है.बड़ी हुई न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) और खराब फसल के चलते भाव के ऊपर जाने की संभावना भी दिख रही हे|

भाव की तुलना

			भाव				भाव मे अंतर (प्रतिशत)		
विवरण	स्थान	मात्रक	13-04-2020	06-04-2020	13-03-2020	14-01-2020	1st week	1 month	3months
सरसों के बीज	जयपुर	क्विंटल	4050	4050	4015	4605	0%	1%	-14%
सरसों की खली	जयपुर	मैट्रिक टन	19000	19000	19500	20000	0%	-3%	-5%
सरसों का तेल	जयपुर	मैट्रिक टन	78000	78000	85000	88000	0%	-9%	-13%
सरसों वायदा बाज़ार	NCDEX	क्विंटल	4160	4087	3904	4354	2%	6%	-5%

राष्ट्रीय लॉकडाउन के मद्देनजर स्पॉट मार्केट बंद हैं, इसलिए 20 मार्च के बाद स्पॉट समान हैं

ऊपर बताये गये टेबल से यह पता चलता हे कि सरसों और सरसों से निर्मित पदार्थो के भाव पिछले तीन महीनो में गिरे है.

निष्कर्ष: परिदृश्य 1 में परिदृश्य 2 की तुलना में अधिक होने कि संभावना है इसलिए हम कीमतों में कमी के लिए एक हेजिंग अवसर देखते हैं.

गेहूँ

सप्लाइ

भारत सरकार ने गेहूँ का उत्पादन पिछले साल के 103.6 मिलियन टन के मुकाबले 106.21 मिलियन टन रिकॉर्ड उत्पादन कि उम्मीद की है, हालांकि यूएसडीए और व्यापार जगत ने लगभग 103 मिलियन टन उत्पादन का अनुमान लगाया है| भारत सरकार ने गेहूँ के आयात पर 40% शुल्क लगाया हे जिसके कारण आयात बहुत कम होने की संभावना है| प्रमुख चिंता का विषय है कि सरकार के पास पड़ा हुआ 27 मिलियन टन का स्टॉक जिससे कूल सप्लाइ 130 मिलियन टन होने की संभावना है.

माँग

गेहूँ का निर्यात कम होने वाला हे । निर्यात 0.02 मिलियन टन हि होगा क्योंकि भारतीय कीमतें अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बाकी देशो से अधिक है| इस साल देश की खपत 97 मिलियन टन से बढ्कर 99-100 मिलियन टन होगी|

वर्ष के लिए घोषित गेहूं का एमएसपी 1925 रुपये/ क्विंटल घोषित किया गया है, COVID-19 के प्रकोप के कारण, सरकार ने खरीद में देरी की है और राज्य को अतिरिक्त बोनस देने की सलाह दी है।

भाव की तुलना

			मात्रक				भाव मे अंतर (प्रतिशत)		
विवरण	स्थान	मात्रक	13-04-2020	06-04-2020	13-03-2020	14-01-2020	1st week	1 month	3months
गेहूँ	इंदौर	क्विंटल	1850	1850	1875	2300	0%	-1%	-24%
गेहूँ	दिल्ली	क्विंटल	2158.4	2158.4	2230	2340	0%	-3%	-8%
गेहूँ वायदा	सी बो ट	यूएसडीए/टन	555	558.18	503.49	573.68	-1%	9%	-3%

राष्ट्रीय लॉकडाउन के मद्देनजर स्पॉट मार्केट बंद हैं, इसलिए 20 मार्च के बाद स्पॉट समान हैं

निष्कर्ष: गेहूँ के भाव लगभग अभी चल रहे भाव के आसपास रहेगे अथवा थोड़े बढ़ेंगे जब सरकार करीदी शुरू करेगी| हालाकि सरकार के पास अधिक माल होने के वजह से उन्हे बाज़ार मैं गेहूँ बेचना होगा जिससे भाव गिरने की संभावना है|

चना

सप्लाइ

भारत सरकार ने चने के उत्पादन का अनुमान पिछले साल के 9.94 मिलियन टन से बढ़कर 11.22 मिलियन टन किया है. हालांकि, ऑल इंडिया दाल मिलर्स एसोसिएशन ने 10 मिलियन टन के उत्पादन का अनुमान लगाया है. आरंभिक स्टॉक 1.6 मिलियन टन होने का अनुमान है.आयात पर सरकार द्वारा लगाए गए 60% शुल्क की वजह से इस साल आयात 0.02 मिलियन टन होने की संभावना है. मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि के कारण फसल क्षति कि संभावना है, मगर कितना नुकसान हुआ हे यह निर्धारित नहीं हुआ है.

माँग

इस साल चने की खपत 9.6 मिलियन टन हो सकती है| पीले मटर पर 60% शुल्क होने के कारण चने की खपत बढ़ने की संभावना है| पीले मटर पे सरकार ने 0.15 मिलियन टन, आयात का कोटा लगाया है| काबुली चना का निर्यात 0.01 मिलियन टन होने कि संभावना हे जो कि अन्य सालों के मुकाबले कम है.

इस रबी मे चना का एमएसपी 4875 रुपये / क्विंटल तह की है| लॉक-डाउन कि वजह से सरकार की खरीदी शुरू नही हुई है,हालाकी सरकार ने 13 राज्य को खरीद शुरू करने का निर्देश दिया है|

भाव की तुलना

			भाव				भाव मे अंतर (प्रतिशत)		
विवरण	स्थान	मात्रक	13-04-2020	06-04-2020	13-03-2020	14-01-2020	1st week	1 month	3months
चना	बीकानेर	क्विंटल	4070	4070	3850	4375	0%	5%	-7%
चना दाल	बीकानेर	क्विंटल	5900	5900	4700	5150	0%	20%	13%
चना बेसन	दिल्ली	क्विंटल	6071	6071	5000	5743	0%	18%	5%
पीले मटर (कॅनडा)	मुंबई	क्विंटल	5650	5650	5500	5850	0%	3%	-4%
चना	एन सी डी एक्स	क्विंटल	4183	4095	3893	4453	2%	7%	-6%

राष्ट्रीय लॉकडाउन के मद्देनजर स्पॉट मार्केट बंद हैं, इसलिए 20 मार्च के बाद स्पॉट समान हैं

निष्कर्ष: चने के भाव अभी के भाव के आसपास रहने कि संभावना है । बड़ी हुई सेवन,कम होने वाले निर्यात, बड़ी हुई आयात शुल्क के वजह से भाव ऊचे रहने कि संभावना है.

Disclaimer:

This document has been prepared by Credible Infotech Solutions Private Limited. This document does not constitute an offer or solicitation for the purchase or sale of any commodity or as an official confirmation of any transaction. The information contained herein is from publicly available data or other sources believed to be reliable, but we do not represent that it is accurate or complete and it should not be relied on as such. Credible Infotech or any of its affiliates/ group companies shall not be in any way responsible for any loss or damage that may arise to any person from any inadvertent error in the information contained in this report. The information given in this document is as of the date of this report and there can be no assurance that future results or events will be consistent with this information. This information is subject to change without any prior notice. Credible reserves the right to make modifications and alterations to this statement as may be required from time to time. Neither Credible nor any of its affiliates, group companies, directors, employees, agents or representatives shall be liable for any damages whether direct, indirect, special or consequential including lost revenue or lost profits that may arise from or in connection with the use of the information. Past performance is not necessarily a guide to future performance. Kindly read the Risk Disclosure Documents carefully before investing in any commodities.